Fourteenth Loksabha

Session : 8
Date : 31-07-2006

Participants : Yadav Prof. Ram Gopal

>

Title : Presence of a mole in the then Prime Minister's Office as revealed in the book written by former External Affairs Minister and Prime Minister's response thereon.

प्रो. राम गोपाल यादव (सम्भल) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बहुत धन्यवाद देता हूं, मैंने सुबह यह मामला उठाया था कि "इंडिया टुडे" के लेटेस्ट अंक में "लेटर बम्ब" के नाम से एक आर्टिकल आया है और उसमें स्पट रूप से उल्लेख है। मैं समझता हूं कि संभवत: हमारे पूर्व विदेश मंत्री जी ने इसी पत्र के कुछ अंशों का अपनी पुस्तक में उल्लेख किया होगा। जिसमें स्पट रूप से इस बात का संकेत है कि कोई बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति, जिसकी सीधे प्रधानमंत्री जी से एप्रोच थी, वह अमेरिका से या अमेरिका को हमारी गुप्त सूचनाएं देता था। मैं इसमें से जरा कोट करना चाहूंगा -

> "The senior person I talked to swore me to secrecy as he departed for secret meeting in Bangalore where the issue of nuclear testing will be put before the Prime Minister by a majority of his advisors who favoured this step. He was very concerned that he might not win this battle. But he did not want me to share this information with any one at this time. He feared the consequences of a leak and hoped that that Prime Minister would decide to delay a decision something for which he has a well deserved reputation[r11]."

अध्यक्ष महोदय, इस पत्र को अगर पूरे तरीके से पढ़ा जाए, तो हमें ऐसा लगता है कि जिस न्यूक्लियर डील की बात उस वक्त चल रही थी, जो प्राइम मिनिस्टर के कार्यालय से जुड़े हुए अधिकारी के माध्यम से दबाव डाला जा रहा था, वह न्यूक्लीयर डील तब तो नहीं पाई, लेकिन अब वह होने जा रही है। यह एक ऐसा गम्भीर मामला है कि जो देश, हमारे देश की जो सबसे इम्पौर्टेंट संस्था है, प्रधान मंत्री कार्यालय, उसी में जासूसी कराए और उसी के साथ हम इस तरह का ऐसा समझौता करने जाएं, जो देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक सिद्ध हो सकता है। ऐसा करना ठीक नहीं है। इसके लिए अमरीका की तरफ से लगातार साजिश होती रही है और हमें लगता है कि उस साजिश में हमारी गवर्नमेंट फंस गई है। इसलिए हम लोग बार-बार मांग करते हैं कि जो न्यूक्लीयर डील होने वाली है, इसमें सावधानी बरती जाए, पार्लियामेंट का सैंस लिया जाए और इससे पहले कुछ भी न किया जाए। यह जो लैटर छपा है, मैं समझता हूं कि यह सुरक्षा से जुड़ा हुआ मामला है। अतः प्रधान मंत्री की तरफ से वक्तव्य भी आना चाहिए और सदन में चर्चा भी होनी चाहिए।

MR. SPEAKER: Shri Hansraj Ahir -- Not present.